| 1. nap ○ Lk 1-2                          | <b>34.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 12 | 67. nap O 1Kor 4         | <i>100. nap</i> ○ Róm 9     | 133. nap O 2Tim 4              | <i>166. nap</i> ○ Zsid 6  |
|--|-----------------------------------|--------------------------|-----------------------------|--------------------------------|---------------------------|
| 2. nap ○ Lk 3                            | <b>35.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 13 | <i>68. nap</i> ○ 1Kor 5  | <i>101. nap</i> ○ Róm 10–11 | <i>134. nap</i> ○ Mt 1         | <i>167. nap</i> ○ Zsid 7  |
| 3. nap ○ Lk 4                            | 36. nap ○ ApCsel 14               | 69. nap ○ 1Kor 6         | <b>102. па</b> р О Róm 12   | <i>135. nap</i> ○ Mt 2         | <i>168. nap</i> ○ Zsid 8  |
| <b>4.</b> nap ○ Lk 5                     | <i>37. nap</i> ○ ApCsel 15        | <i>70. nap</i> ○ 1Kor 7  | 103. пар О Róm 13           | <i>136. nap</i> ○ Mt 3         | <b>169. nap ○</b> Zsid 9  |
| 5. nap ○ Lk 6                            | <b>38.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 16 | 71. nap 🔿 1Kor 8         | 104. пар О Róm 14           | <i>137. nap</i> ○ Mt 4         | 170. nap 🔾 Zsid 10        |
| 6. nap ○ Lk 7                            | <i>39. nap</i> ○ ApCsel 17        | <b>72.</b> nap O 1Kor 9  | <i>105. пар</i> О Róm 15    | <i>138. nap</i> ○ Mt 5         | 171. nap 🔾 Zsid 11        |
| 7. nap 🔾 Lk 8                            | <b>40.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 18 | 73. nap O 1Kor 10        | <i>106. пар</i> О Róm 16    | 139. nap ○ Mt 6                | <i>172. nap</i> ○ Zsid 12 |
| <b>8. nap ○</b> Lk 9                     | <b>41.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 19 | 74. nap O 1Kor 11        | <i>107. nap</i> ○ Fil 1     | <b>140.</b> <i>nap</i> ○ Mt 7  | <i>173. nap</i> ○ Zsid 13 |
| 9. nap 🔿 Lk 10                           | <b>42.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 20 | 75. nap O 1Kor 12        | 108. nap ○ Fil 2            | 141. nap ○ Mt 8                | <i>174. nap</i> ○ Jak 1   |
| 10. nap ○ Lk 11                          | <b>43.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 21 | 76. nap ○ 1Kor 13-14     | <i>109. nap</i> ○ Fil 3     | <b>142.</b> <i>nap</i> ○ Mt 9  | <i>175. nap</i> ○ Jak 2   |
| 11. nap ○ Lk 12                          | <b>44.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 22 | 77. nap ○ 1Kor 15        | 110. nap ○ Fil 4            | <i>143. nap</i> ○ Mt 10        | <i>176. nap</i> ○ Jak 3–4 |
| <b>12.</b> nap ○ Lk 13                   | <b>45.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 23 | 78. nap O 1Kor 16        | 111. nap ○ Ef 1             | <b>144.</b> nap ○ Mt 11        | <i>177. nap</i> ○ Jak 5   |
| 13. nap ○ Lk 14                          | <b>46.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 24 | <b>79.</b> nap ○ 2Kor 1  | 112. nap ○ Ef 2             | <b>145.</b> nap ○ Mt 12        | <i>178. nap</i> ○ Mk 1    |
| <b>14. nap ○</b> Lk 15                   | <b>47.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 25 | <b>80.</b> nap ○ 2Kor 2  | 113. nap ○ Ef 3             | <b>146.</b> <i>nap</i> ○ Mt 13 | <i>179. nap</i> ○ Mk 2    |
| <i>15. nap</i> ○ Lk 16                   | <b>48.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 26 | <b>81.</b> nap ○ 2Kor 3  | 114. nap ○ Ef 4             | <i>147. nap</i> ○ Mt 14        | <i>180. nap</i> ○ Mk 3    |
| <b>16. nap ○</b> Lk 17                   | <b>49.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 27 | <b>82.</b> nap ○ 2Kor 4  | 115. nap ○ Ef 5             | <b>148.</b> <i>nap</i> ○ Mt 15 | 181. nap ○ Mk 4           |
| <i>17. nap</i> ○ Lk 18                   | <i>50. nap</i> ○ ApCsel 28        | <b>83.</b> nap O 2Kor 5  | 116. nap ○ Ef 6             | 149. nap ○ Mt 16               | <b>182. nap ○</b> Mk 5    |
| <b>18.</b> nap ○ Lk 19                   | 51. nap ○ Gal 1-2                 | <b>84.</b> nap ○ 2Kor 6  | <i>117. nap</i> ○ Kol 1     | <i>150. nap</i> ○ Mt 17        | <i>183. nap</i> ○ Mk 6    |
| 19. nap ○ Lk 20                          | <b>52.</b> <i>nap</i> ○ Gal 3     | <b>85.</b> nap ○ 2Kor 7  | 118. nap ○ Kol 2            | <i>151. nap</i> ○ Mt 18–19     | <b>184. nap ○</b> Mk 7    |
| <b>20.</b> nap ○ Lk 21                   | 53. nap ○ Gal 4                   | 86. nap ○ 2Kor 8         | 119. nap ○ Kol 3            | <i>152. nap</i> ○ Mt 20        | 185. nap ○ Mk 8           |
| <b>21.</b> nap 🔿 Lk 22                   | <b>54. nap ○</b> Gal 5            | <b>87.</b> nap ○ 2Kor 9  | <i>120. nap</i> ○ Kol 4     | <i>153. nap</i> ○ Mt 21        | 186. nap ○ Mk 9           |
| <b>22.</b> nap O Lk 23                   | 55. nap ○ Gal 6                   | 88. nap O 2Kor 10        | <i>121. nap</i> ○ Filem 1   | <i>154. nap</i> ○ Mt 22        | <i>187. nap</i> ○ Mk 10   |
| <b>23.</b> nap ○ Lk 24                   | <i>56. nap</i> ○ 1Tesz 1          | <b>89.</b> nap ○ 2Kor 11 | <i>122. nap</i> ○ 1Tim 1    | <i>155. nap</i> ○ Mt 23        | <i>188. nap</i> ○ Mk 11   |
| <b>24.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 1         | <i>57. nap</i> ○ 1Tesz 2          | 90. nap ○ 2Kor 12        | <i>123. nap</i> ○ 1Tim 2    | <i>156. nap</i> ○ Mt 24        | 189. nap ○ Mk 12          |
| <b>25.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 2         | <i>58. nap</i> ○ 1Tesz 3          | 91. nap O 2Kor 13        | <i>124. nap</i> ○ 1Tim 3    | <i>157. nap</i> ○ Mt 25        | 190. nap 🔿 Mk 13          |
| <b>26.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 3-4       | <i>59. nap</i> ○ 1Tesz 4          | 92. nap 🔿 Róm 1          | <i>125. nap</i> ○ 1Tim 4    | <i>158. nap</i> ○ Mt 26        | 191. nap 🔿 Mk 14          |
| <b>27.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 5         | <i>60. nap</i> ○ 1Tesz 5          | 93. nap 🔿 Róm 2          | <i>126. nap</i> ○ 1Tim 5–6  | 159. nap ○ Mt 27               | <b>192. nap ○</b> Mk 15   |
| <b>28.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 6         | <i>61. nap</i> ○ 2Tesz 1          | <b>94. nap</b> ○ Róm 3   | <i>127. nap</i> ○ Tit 1     | <i>160. nap</i> ○ Mt 28        | 193. nap 🔿 Mk 16          |
| <b>29.</b> <i>nap</i> ○ ApCsel 7         | <b>62.</b> nap ○ 2Tesz 2          | 95. nap 🔿 Róm 4          | <i>128. nap</i> ○ Tit 2     | <i>161. nap</i> ○ Zsid 1       | 194. nap 🔿 1Pt 1          |
| <i>30. nap</i> ○ ApCsel 8                | <i>63. nap</i> ○ 2Tesz 3          | <b>96. nap ○</b> Róm 5   | <i>129. nap</i> ○ Tit 3     | <i>162. nap</i> ○ Zsid 2       | 195. nap ○ 1Pt 2          |
| <b>31.</b> <i>nap</i> <b>O</b> ApCsel 9  | <b>64.</b> <i>nap</i> ○ 1Kor 1    | 97. nap 🔾 Róm 6          | 130. nap ○ 2Tim 1           | 163. nap ○ Zsid 3              | <i>196. nap</i> ○ 1Pt 3   |
| <b>32.</b> <i>nap</i> <b>O</b> ApCsel 10 | <i>65. nap</i> ○ 1Kor 2           | <b>98.</b> nap 🔿 Róm 7   | <i>131. nap</i> ○ 2Tim 2    | 164. nap ○ Zsid 4              | 197. nap ○ 1Pt 4          |
| <b>33.</b> <i>nap</i> <b>O</b> ApCsel 11 | <i>66. nap</i> ○ 1Kor 3           | 99. nap 🔿 Róm 8          | <i>132. nap</i> ○ 2Tim 3    | 165. nap ○ Zsid 5              | <b>198.</b> nap ○ 1Pt 5   |
|  | 1                                 |                          |                             |                                |                           |

| 199. nap 🔿 2Pt 1                              | <b>232.</b> nap ○ Jel 4        |
|---|--------------------------------|
| <b>200</b> . nap O 2Pt 2                      | <b>233.</b> nap <b>○</b> Jel 5 |
| <b>201</b> . <i>nap</i> <b>O</b> 2Pt 3; Júd 1 | <b>234.</b> nap 🔾 Jel 6        |
| <b>202.</b> nap 🔿 Jn 1                        | <b>235.</b> nap <b>○</b> Jel 7 |
| <b>203.</b> nap 🔾 Jn 2                        | <i>236. nap</i> ○ Jel 8        |
| <b>204.</b> nap O Jn 3                        | <b>237.</b> nap 🔾 Jel 9        |
| 205. nap 🔾 Jn 4                               | <i>238. nap</i> ○ Jel 10       |
| <b>206.</b> <i>nap</i> O Jn 5                 | <i>239. nap</i> ○ Jel 11       |
| <b>207.</b> nap O Jn 6                        | <b>240.</b> nap 🔾 Jel 12       |
| <b>208.</b> <i>nap</i> <b>O</b> Jn 7          | <b>241.</b> nap 🔾 Jel 13       |
| <i>209. nap</i> ○ Jn 8                        | <b>242.</b> nap 🔾 Jel 14       |
| <b>210.</b> nap O Jn 9                        | <b>243.</b> nap 🔾 Jel 15       |
| <i>211. nap</i> O Jn 10                       | <b>244.</b> nap 🔾 Jel 16       |
| <b>212.</b> nap O Jn 11                       | <b>245. nap</b> ○ Jel 17       |
| <b>213.</b> nap O Jn 12                       | <b>246.</b> nap ○ Jel 18       |
| <b>214.</b> nap O Jn 13                       | <b>247. nap</b> ○ Jel 19       |
| 215. nap O Jn 14                              | <b>248.</b> nap ○ Jel 20       |
| <b>216.</b> nap O Jn 15                       | <b>249.</b> nap 🔾 Jel 21       |
| <i>217. nap</i> O Jn 16                       | <b>250. nap</b> ○ Jel 22       |
| <b>218.</b> nap O Jn 17                       |                                |
| 219. nap O Jn 18                              |                                |
| <b>220.</b> nap O Jn 19                       |                                |
| <b>221.</b> nap O Jn 20                       |                                |
| <b>222.</b> nap O Jn 21                       |                                |
| <b>223.</b> nap O 1Jn 1                       |                                |
| <b>224.</b> nap O 1Jn 2                       |                                |
| <b>225.</b> nap O 1Jn 3                       |                                |
| <b>226.</b> nap O 1Jn 4–5                     |                                |
| <b>227.</b> nap O 2Jn 1                       |                                |
| <b>228.</b> nap O 3Jn 1                       |                                |
| <b>229.</b> nap O Jel 1                       |                                |
| <b>230.</b> <i>nap</i> O Jel 2                |                                |
| <b>231.</b> nap ○ Jel 3                       |                                |
|   |                                |

## A könyvek olvasási sorrendje

- 1. Lukács evangéliuma (24 fejezet)
- 2. Apostolok Cselekedetei (28 fejezet)
- 3. Galatáknak írt levél (6 fejezet)
- 4. Tesszalonikaiaknak írt I. levél (5 fejezet)
- 5. Tesszalonikaiaknak írt II. levél (3 fejezet)
- 6. Korintusiaknak írt I. levél (16 fejezet)
- 7. Korintusiaknak írt II. levél (13 fejezet)
- 8. Rómaiaknak írt levél (16 fejezet)
- 9. Filippieknek írt levél (4 fejezet)
- 10. Efezusiaknak írt levél (6 fejezet)
- 11. Kolosszeieknek írt levél (4 fejezet)
- 12. Filemonnak írt levél (1 fejezet)
- 13. Timóteusnak írt I. levél (6 fejezet)
- 14. Titusznak írt levél (3 fejezet)
- 15. Timóteusnak írt II. levél (4 fejezet)
- 16. Máté evangéliuma (28 fejezet)
- 17. Zsidóknak írt levél (13 fejezet)
- 18. Szent Jakab levele (5 fejezet)
- 19. Márk evangéliuma (16 fejezet)
- 20. Szent Péter I. levele (5 fejezet)
- 21. Szent Péter II. levele (3 fejezet)
- 22. Szent Júdás levele (1 fejezet)
- 23. János evangéliuma (21 fejezet)
- 24. Szent János I. levele (5 fejezet)
- 25. Szent János II. levele (1 fejezet)
- 26. Szent János III. levele (1 fejezet)
- 27. Jelenések könyve (22 fejezet)



## Bibliaolvasó segéd

Az Újszövetség könyvei logikusan sorba rendezve 250 napra, napi 1 vagy 2 fejezet



Letöltés és további egyénileg testre szabható sorrendek és beosztások készítése: http://halld.ujevangelizacio.hu